News सिटी चीफ
वर्ष-15, अंक-250
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रुपया

आज का विचार
दुनिया के लिए आप एक व्यक्ति हैं, लेकिन परिवार के लिए आप पूरी दुनिया हैं आप अपना ख्याल रखें।

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM
बिहार, रविवार, 15 दिसम्बर 2024
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

'प्रधानमंत्री के स्क्रिप्ट राइटर उनका नुकसान कर रहे', RJD सांसद मनोज कुमार झा का बड़ा बयान

पटना. लोकसभा में पीएम नरेंद्र मोदी के भाषण पर राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज कुमार झा ने कहा प्रधानमंत्री के स्क्रिप्ट राइटर उनका बहुत नुकसान कर रहे हैं और देश का भी नुकसान हो रहा है. संविधान सभा को अधिकार दिया गया था, आपको मालूम है 47 में क्या स्थिति थी? दोनों तरफ खून की नदियां बह रही थी. आप कुछ भी बोल कर निकल जाएंगे. वो क्या संशोधन था? वो तथ्यों के साथ किफ़ायती हैं, सारे तथ्य उन्होंने नहीं दिए हैं. आपको थोड़ी समझ होनी चाहिए. संविधान सभा ने ही संविधान बनाया था.
ऋझ्छ सांसद ने आगे कहा कि अंतरिम सरकार को उस समय की स्थिति को देखते हुए अधिकार दिया गया था. वाजिब प्रतिबंध की बात की गई थी. पूरे देश में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के प्रयास हो रहे थे. आप देश के प्रधानमंत्री हैं. तथ्यों से खिलवाड़ मत कीजिए. जब-जब लगता है कि प्रधानमंत्री, देश के प्रधानमंत्री की तरह एक विशाल हृदय के साथ देश के प्रधानमंत्री की तरह व्यवहार करेंगे. तब-तब हमें निराशा हाथ लगती है.

'प्रधानमंत्री तथ्यों को संकीर्ण दायरे में देखते हैं'

वहीं एक अन्य सवाल के जवाब में मनोज कुमार झा ने कहा कि धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता हमारे आर्टिकल 44 में रखा गया क्योंकि उस वक्त के जो हालात थे, उन हालातों के मद्देनजर एक ट्रस्ट की कमी थी. प्रधानमंत्री तथ्यों को संकीर्ण दायरे में देखते हैं आर्टिकल 44 इंफॉर्म सिविल कोर्ट लेकिन उससे पहले आर्टिकल ×9 में कॉन्सन्ट्रेशन ऑफ वेल्थ आया.
प्रधानमंत्री उसपर क्यों चुप होते हैं. क्यों इसलिए कि उद्योपत्तियों की आपकी सरकार बनवाने और दूसरों की सरकार गिरवाने में बहुत बड़ी भूमिका है. अगर आर्टिकल 44 तक पहुंचना चाहते हैं तो आर्टिकल ×9 तो रास्ते में पड़ता है प्रधानमंत्री को उसे गौर से देखना चाहिए कि वो कहता क्या है आय के भयावह असमानता है उसपर एक नजर होनी चाहिए.

तेजस्वी यादव ने माई-बहिन मान योजना का किया ऐलान

कहा - महिलाओं के खाते में हर माह जाएंगे 2500 रुपये

पटना. बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सरकार बनने पर माई-बहिन मान योजन की शुरुआत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये मिलेंगे। बता दें कि दरभंगा में विशेष रूप से बुलाई प्रेस वार्ता में तेजस्वी यादव ने इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि महिलाओं का आशीर्वाद जहां है, सुख-समृद्धि का वास वहां है। इसी मंत्र पर चलते हुए बिहार की हर महिला को हम सक्षम बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मेरी यात्राओं के दौरान रा'य के हर हिस्से से हमें महंगाई से त्रस्त लोगों ने अपने अनुभव बताएं हैं। बढ़ती और व्यापक महंगाई के चलते घर परिवारों को राहत की दरकार है।
माई-बहिन मान योजना का ऐलान
तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार की करोड़ों माताओं-बहनों के आशीर्वाद से आज हमने यह निर्णय लिया है और हमें ये बताते हुए हर्ष हो रहा है कि 2025 में हमारी सरकार बनने पर हम माई-बहिन मान योजना शुरु करेंगे। इस योजना के तहत रा'य की महिलाओं को 2500 रुपए प्रति माह देने का कार्य करेंगे। नए बिहार के साथ समृद्ध महिला, सुखी परिवार का सपना भी सच होगा। उन्होंने कहा कि बिहार के नवनिर्माण की नींव महिलाओं की समृद्धि के बिना अधूरी है। हमारा मानना है कि जब महिलाओं को नकद हस्तांतरण मिलता है तो वे

अपने परिवार की भलाई में अधिक पैसा निवेश करती हैं, जैसे पूरे परिवार के लिए पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सेवा, और ब'चों की शिक्षा।

महिलाओं को मिलेगा बढ़ावा

तेजस्वी यादव ने कहा कि महिलाओं को सीधे लक्षित करके, हमारा ये कार्यक्रम घरेलू और सामुदायिक विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करता है। इन नकद हस्तांतरणों का गुणक प्रभाव महत्वपूर्ण है। महिलाओं की बेहतर आर्थिक स्थिति पूरे परिवार और समुदाय के लिए लाभदायक हैं।
हमारी सरकार द्वारा महिलाओं को जो राशि दी जायेगी, वह महिलाओं को छोटे व्यवसाय शुरू करने या कौशल प्रशिक्षण में निवेश करने में सक्षम बनाएगा तथा दीर्घकालिक आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देगी। इसके अतिरिक्त, नकद हस्तांतरण कार्यक्रमों को वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण जैसे पूरक समर्थन के साथ डिजाइन किया जाएगा, जिससे महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और दीर्घकालिक आर्थिक स्वतंत्रता को और बढ़ावा मिलेगा।

ये योजना महिलाओं को समर्पित

उन्होंने कहा कि महंगाई के इस दौर में जो बहनें अपने मन का खा नहीं पाती, अपने मन का खरीद नहीं पातीं। आज उन मां-बहनों के लिए समर्पित योजना की हम घोषणा करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि ये तेजस्वी का वादा है कि सरकार बनने के एक महीने के भीतर हम इस योजना को अमली जामा पहना कर बिहार की हर माता हर बहन को स्वांलबी, सुखी, समृद्ध, सम्पन्न, स्वस्थ और उनके जीवन को सुगम बनाने का कार्य करेंगे। यह कार्यक्रम हमारी सरकार का गरीबी कम करने, लैंगिक समानता को बढ़ावा देने एवं हाशिए पर रहे नागरिकों की सामाजिक और आर्थिक क्षमता में निवेश करने की दिशा में एक सीधा और प्रभावशाली कदम होगा।

नई सरकार माताएं-बहनों की सरकार होगी

तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि आपका हर दुख मेरे जिम्मे, बिहार की नई सरकार हमारी माता बहनों की सरकार होगी। क्यूंकि घर की महिला अगर सुखी समृद्ध होगी तो घर तरक्की करेगा, हर घर तरक्की करेगा तो पूरा गांव तरक्की करेगा, पूरा गांव तरक्की करेगा तो बिहार तरक्की करेगा।
मेरा हर संकल्प मैंने साकार किया है, हर कसम निभाई है, हर वचन पूरा किया है। मेरे 17 महीने के कार्यकाल में मैंने हर वो अपना वादा पूरा किया है जो मैंने अपनी जनता जनार्दन से किया था।

पटना के डीएम ने बीपीएससी के अभ्यर्थी को क्यों मारा थप्पड़ ?

पटना. बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं प्रतियोगिता (प्रारंभिक) परीक्षा के दौरान हंगामे की खबर है. परीक्षा समाप्त होने के बाद पटना के कुम्हार में बापू सेंटर पर छात्रों ने हंगामा शुरू कर दिया.हंगामा कर रहे परीक्षार्थियों में से एक को पटना के जिलाधिकारी ने थप्पड़ जड़ दिया.बीपीएससी परीक्षार्थियों के हंगामा करने पर स्थिति संभालने के लिए जिलाधिकारी चंद्रेशेखर सिंह पटना एसएसपी के साथ पहुंचे थे. अधिकारियों की ओर से छात्रों को समझाया जा रहा था. इस बीच पटना के डीएम ने आपा खो दिया और हंगामा कर रहे परीक्षार्थियों में से एक छात्र को थप्पड़ मार दिया. थप्पड़ कांड के बाद वहां खड़े पुलिसकर्मी उस छात्र को पकड़कर ले गए. शुक्रवार को बिहार लोक सेवा अयोग की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन प्रदेश के 910 केंद्रों पर किया गया. परीक्षा दोपहर 12 बजे से दो बजे तक हुई. हालांकि परीक्षा केंद्र में प्रवेश 11 बजे तक ही दिया गया.

छात्रों ने क्यों किया हंगामा

बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा में बड़ी गड़बड़ी के मामले सामने आए हैं. कई परीक्षार्थियों के आरोप हैं कि उन्हें प्रश्न पत्र ही नहीं दिए गए. वहीं कई का आरोप है कि उन्हें खुला हुआ प्रश्नपत्र मिला. इसके अलावा 12 बजे परीक्षा शुरू होने के कुछ देर बाद ही प्रश्नपत्र और ओएमआर शीट भी सड़क पर फेंकी हुई मिली. इन सब गड़बड़ियों से छात्र आक्रोशित हैं.

सफाईकर्मी ने पानी पीने के लिए मग उठाया तो पत्थर से कुचलकर मार डाला, जहानाबाद में चायवाले की क्रूरता

बिहार के जहानाबाद में पानी पीने का मग उठाने पर एक सफाईकर्मी की हत्या कर दी गई। घटना एक चाय की दुकान पर हुई। यहां पानी का मग उठाने के विवाद में एक सफाई कर्मी पर पत्थर से हमला कर दिया गया। हमले के बाद उसकी मौत हो गई। घटना से आक्रोशित लोगों ने चाय दुकानदार को पकड़कर जमकर धुनाई कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल दुकानदार को पीएमसीएच रेफर कर दिया है।
घटना नगर थाना क्षेत्र के मलहचक पानी टंकी के पास की है। वही घटना से नाराज नगर परिषद के सफाईकर्मियों ने अस्पताल मोड़ के समीप शव के साथ सड़क जाम कर दिया। जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गयी। मृतक शहर के अंबेडकर नगर का रहने वाला लल्लू डोम बताया जाता है, जो नगर परिषद में सफाई कर्मी के रूप में काम करता था।

दुकानदार से चाय मांग रहा था सफाईकर्मी

परिजनों ने बताया कि शनिवार को मलहचक पानी टंकी के समीप कचरा उठाने गया था। इसी बीच पास के एक चाय दुकान से पानी पीने के लिए उसने मग उठा लिया। जिससे चाय दुकानदार को यह नागवार गुजरा और उसने पास में पड़ा एक पत्थर उठाकर उसे मार दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। हालांकि, मृतक के कुछ स्वजनों का यह भी कहना है कि ललू डोम चाय दुकानदार से एक कप चाय मांग रहा था। वह कह रहा था कि रोज हम लोग आपका कचरा उठाते हैं, इसलिए चाय पिला दीजिए। जिसके कारण दुकानदार गुस्से में आ गया और पत्थर से हमला कर दिया।

मुआवजे को लेकर धरने पर बैठे लोग

इस घटना के बाद चाय वाले को भी अपनी गलती के एहसास हुआ और उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल

लेकर आया। लेकिन सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। इसके बाद अन्य सफाई कर्मी भी वहां पहुंच गए और चाय दुकानदार को पकड़ कर जमकर पिटाई कर दी। घटना के बाद अंबेडकर नगर से बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए और पोस्टमार्टम हाउस के पास तकरीबन एक घंटे तक सड़क जाम कर दिया। सड़क जाम कर रहे लोग मुआवजे की मांग कर रहे हैं। वहीं, घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद लोगों को समझा बुझाकर कर जाम को समाप्त कराया।

बहिष्कार की बात कह रहे सफाईकर्मी

इस संबंध में नगर थानाध्यक्ष ने बताया कि चाय दुकानदार एवं सफाई कर्मी के बीच हुए विवाद में गिरने से सफाईकर्मी की मौत हो गयी।
हालांकि, घटना के सही कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। पूरी घटना की पुलिस अभी जांच पड़ताल कर रही है। उसके बाद ही स्पष्ट हो पाएगा की लड़ाई की मुख्य वजह क्या था। वहीं, इस घटना के विरोध में सफाईकर्मी शहर के साफ सफाई के कार्य को बहिष्कार करने की बात कही है।

कोई टीचर गया था सब्जी लाने तो कोई मिला मोतिहारी में

शिक्षा विभाग के मुख्य सचिव ने वीडियो कॉल करके ऐसे पकड़ लिया झूठ

पटना. बिहार के स्कूलों में छात्र किन हालातों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं इसकी आज पोल खुल गई है। दरअसल शिक्षा विभाग के एसीएस द्वारा टोला सेवक को वीडियो कॉल किया गया। इस वीडियो कॉल पर शिक्षा विभाग के एसीएस डॉ. एस सिद्धार्थ ने टोला सेवक को वीडियो कॉल कर उन्हें क्लास दिखाने को कहा। ऐसे में पता चला कि स्कूल से कई शिक्षक गायब हैं। स्कूल में 137 बच्चे हैं लेकिन उनके पास बैठने को ना टेबल कुर्सी है और ना ही शिक्षक स्कूल में मौजूद हैं। हालत तो यूं है कि ड्यूटी के दौरान शिक्षक सब्जी लेने चले गए हैं। दरअसल एस. सिद्धार्थ इन दिनों वीडियो कॉल कर बिहार के स्कूलों का औचक निरीक्षण कर रहे हैं।

बिहार के स्कूलों की खुली पोल

इसी कड़ी में उन्होंने आज मधुबनी के मुशहरी में स्थित एक प्राथमिक विद्यालय में वीडियो कॉल कर वहां की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ ने देखा कि स्कूल के बच्चों ने पास बैठने के लिए बेंच-डेस्क तक नहीं है। इतना ही नहीं स्कूल में ड्यूटी में पर तैनात 6 शिक्षकों में कोई भी स्कूल में नहीं था। साथ ही बच्चों के बैठने के लिए एक भी बेंच नहीं है। बच्चे फर्श पर बैठकर पढ़ रहे हैं। बता दें कि स्कूल का जायजा लेने के लिए डॉ. एस सिद्धार्थ ने टोला सेवक को फोन कर स्कूल दिखाने और स्कूलों की जानकारी देने को कहा।

क्लास के दौरान सब्जी लाने गए शिक्षक

इस दौरान वीडियो कॉल पर एस. सिद्धार्थ ने टोला सेवक से सवाल करना शुरू किया तो टोला सेवक ने कहा कि मैं तो सर इस वक्त स्कूल में ही हूं। इसके बाद एस सिद्धार्थ ने टोला सेवक को स्कूल दिखाने को कहा, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि स्कूल के बच्चे फर्श पर बैठे हुए हैं और उनके पास बेंच और डेस्क तक नहीं है। इसके बाद टोला सेवक ने दूसरे सवाल का जवाब देते हुए कहा कि सर दो क्लासरूम है और दोनों की स्थिति ऐसी ही है। टोला सेवक ने आगे हबताया कि स्कूल में कुल 6 शिक्षक हैं।
बाकी के शिक्षक नहीं है वह मोतिहारी गए हुए हैं। हालांकि स्कूल में अभी एक शिक्षक और मैं हूं। इसके बाद जब एस. सिद्धार्थ ने उन शिक्षक से बात करवाने को कहा तो टोला सेवक ने कहा कि सर वह शिक्षक अभी सब्जी लाने गए हैं। अभी यहीं थे लेकिन अभी सब्जी लाने गए हैं।